आईटी रेज़िलिएंस इंडेक्स: बाज़ार की डिजिटल सेहत

अर्थव्यवस्था व विज्ञान-प्रौद्योगिकी | समाचार संदर्भ: 24 अगस्त 2026

शेयर बाज़ार में भरोसा केवल सही कीमत पर नहीं, समय पर काम करती तकनीक पर भी निर्भर है। बाधा का संकेत मिलने से पहले जोखिम पहचानना इसलिए जरूरी है।

खबरों में क्यों

सेबी ने 24 अगस्त 2026 के परिपत्र से बाजार अवसंरचना संस्थानों के लिए IT Resilience Index, ITRI, का ढाँचा तय किया। यह महत्वपूर्ण आईटी प्रणालियों की स्थिति और लचीलापन मापने का उपाय है। परिपत्र स्टॉक एक्सचेंज, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और डिपॉजिटरी को संबोधित है; AMC Repo Clearing Ltd.अपवाद है। इसे सभी बैंकों पर नया AI कानून या 31 अगस्तसे पूरी तरह लागू व्यवस्था न समझें।

डिजिटल लचीलापन किसे कहते हैं?

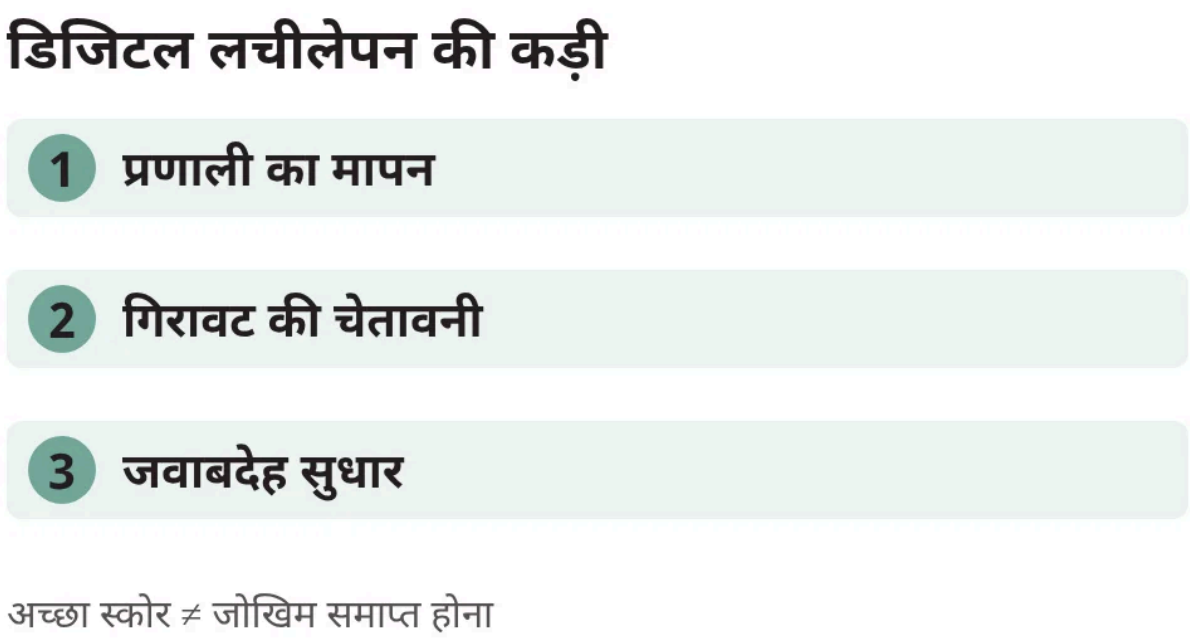
तकनीकी व्यवस्था का भरोसेमंद ढंग से सेवा देना, गिरावट पहचानना और व्यवधान के प्रभाव से निपट पाना इसका मूल अर्थ है। केवल साइबर हमला रोकना पर्याप्त नहीं; उपलब्धता, प्रदर्शन, संचालन, निगरानी और काम जारी रखने की तैयारी भी जरूरी है। ITRI इन पहलुओं को व्यवस्थित ढंग से देखने का सूचकांक है।

मुख्य तथ्य

नौ मापदंड: कुल 100 अंकों में उपलब्धता और सुरक्षा के 20–20 अंक हैं। अखंडता, शासन, विश्वसनीयता व निगरानी, व्यवसाय-निरंतरता तथा मॉड्यूलरता व लचीलेपन के 10–10 अंक हैं। विस्तार-क्षमता और अन्य पहलुओं के 5–5 अंक हैं। वजन जोखिम के अलग पक्ष दिखाते हैं, नुकसान की भविष्यवाणी नहीं।

गणना और जवाबदेही: हर छमाही समाप्त होने के 60 दिन के भीतर गणना तथा लगातार दो छमाहियों का तुलनात्मक विश्लेषण और सुधार-कार्रवाई तकनीक संबंधी स्थायी समिति व गवर्निंग बोर्ड को देना है। गणना सामान्यतः स्वतः प्रणाली-आधारित होगी; जरूरी मैनुअल डेटा-प्राप्ति के अपवाद पर समिति से पहले चर्चा करनी होगी।

पहले संकेत, फिर कार्रवाई: संस्थानों को मापदंडों में संभावित गिरावट पहचानने वाला अर्ली वार्निंग सिस्टम और सेवा की लगातार निगरानी के डैशबोर्ड बनाने हैं। संकेत के बाद समस्या दूर करने की प्रक्रिया जरूरी है; केवल सूचकांक तैयार कर लेना पर्याप्त नहीं।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

चरणबद्ध क्रियान्वयन को सही पढ़ें

माप की समानता: उद्योग मानक मंच को 30 नवंबर 2026 तक उप-मापदंड और विस्तृत मापन-मानदंड तय करने हैं। समान आधार और स्कोरिंग पद्धति से अलग संस्थानों के परिणामों की तुलना उपयोगी बन सकती है।

अगले चरण की समय-सीमा: संबंधित SOP की समीक्षा के बाद सेबी को 31 जनवरी 2027 तक भेजना है। पूर्ण ढाँचा, चेतावनी तंत्र और वास्तविक समय सेवा-निगरानी 28 फरवरी 2027 तक चालू करनी है; पहला ITRI प्रस्तुतीकरण 31 मार्च 2027 को समाप्त छमाही के लिए होगा।

बीटा और पूर्ण व्यवस्था: परिपत्र के अनुसार बीटा संस्करण पहले से था। परीक्षण-स्तर की मौजूदगी और निर्धारित पूर्ण ढाँचे का लागू होना अलग हैं; भविष्य की समय-सीमा को आज की उपलब्धि न लिखें।

विश्लेषण और आगे की राह

इस पहल की उपयोगिता अंक बनाने के बजाय समय पर सुधार से तय होगी। डेटा की गुणवत्ता, तुलना की समान विधि और बोर्ड के सामने स्पष्ट कार्रवाई जरूरी हैं। अच्छा संयुक्त स्कोर किसी एक महत्वपूर्ण प्रणाली की कमजोरी को न ढके, इसलिए अलग मापदंडों की गिरावट भी देखनी चाहिए। AI से जुड़े जोखिम बढ़ने की व्यापक चर्चा हो सकती है, लेकिन इस परिपत्र को किसी खास AI मॉडल, सभी वित्तीय संस्थानों या भविष्य की हर साइबर-नीति पर लागू न करें। लचीलापन एक मापन और संचालन की जिम्मेदारी है, कभी व्यवधान न होने का वादा नहीं।

अवधारणा में अंतर

छमाही गणना की समय-सीमा, लगातार सेवा-निगरानी और पूर्ण ढाँचे की स्थापना तीन अलग जिम्मेदारियाँ हैं। इन्हें एक ही रिपोर्टिंग नियम न बनाएँ।

मेंस दृष्टि

सूचकांक का अर्थ बताकर उसके माप, संस्थागत जवाबदेही, चेतावनी से सुधार तक की कड़ी और सीमाएँ समझाएँ।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

डिजिटल वित्तीय अवसंरचना की विश्वसनीयता में सूचकांक-आधारित निगरानी की उपयोगिता और सीमाओं की चर्चा कीजिए। सेबी के ITRI ढाँचे से उदाहरण दीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: वित्तीय बाजार की तकनीकी निर्भरता और व्यवधान के जोखिम से शुरुआत करें; ITRI को महत्वपूर्ण आईटी प्रणालियों के लचीलेपन का मापन बताएँ।

मुख्य भाग में: बाजार की तकनीकी निर्भरता बताएँ; मापन, बोर्ड-समीक्षा और अर्ली वार्निंग का संबंध समझाएँ; डेटा-गुणवत्ता तथा सुधार पर निष्कर्ष दें।

निष्कर्ष में: विश्वसनीय डेटा, समान मापन-विधि और बोर्ड के सामने सुधार-कार्रवाई से स्कोर को संचालन से जोड़ें। संयुक्त अंक किसी महत्वपूर्ण कमजोरी को न ढकें; छमाही गणना, सतत निगरानी और भविष्य की पूर्ण स्थापना अलग रखें तथा सूचकांक को कभी व्यवधान न होने की गारंटी न लिखें।

स्रोत

- सेबी: 24 अगस्त 2026 का ITRI परिपत्र, पूर्ण पाठ
- NSDL: 27 अगस्त 2026 का मूल परिपत्र के साथ प्रसारण
- Moneycontrol: 24 अगस्त 2026 की ढाँचे पर रिपोर्ट

याद रखें: स्कोर तभी उपयोगी है जब चेतावनी, जवाबदेही और वास्तविक सुधार उससे जुड़ें।